अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 फ़रवरी, 2015

का.आ. 483(अ).—जबकि आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के अंतर्गत जारी की गई भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की दिनांक 14.06.2011 की अधिसूचना सं0 का0आ0 1370(अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने "पूज्य तपस्वी श्री जगजीवान जी, महाराज चक्षु चिकित्सालय, पोस्ट पीतारबार, जिला बोकारो, झारखंड-82912" द्वारा "धर्मार्थ आंखों का अस्पताल चलाने (वर्ष 1981 से चिकित्सा उपचार और नि:शुल्क सर्जरी द्वारा इस क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए)" की परियोजना को वित्तीय वर्ष 2013-14 को प्रारंभ होने वाली तीन वर्षों की अवधि के लिए 2.55 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में क्रम सं0 4 पर अधिसूचित किया था ;

और जबकि उक्त परियोजना या स्कीम के तीन वर्षों से अधिक चलने की संभावना है;

और जबकि सामाजिक और आर्थिक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए राष्ट्रीय समिति का यह समाधान हो जाने पर कि उक्त परियोजना अथवा स्कीम उपयुक्त रूप से निष्पादित की जा रही है, इस समिति ने आयकर नियमावली, 1962 के नियम 11 ड के उप-नियम (5) के अंतर्गत उक्त परियोजना अथवा स्कीम को अगले तीन वर्षों की अवधि के लिए विनिर्दिष्ट करने की सिफारिश की है ;

इसलिए, अब, केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा "पूज्य तपस्वी श्री जगजीवान जी, महाराज चक्षु चिकित्सालय, पोस्ट पीतारबार, जिला बोकारो, झारखंड-82912" द्वारा चलाई जा रही "धर्मार्थ आंखों का अस्पताल चलाने (वर्ष 1981 से चिकित्सा उपचार और नि:शुल्क सर्जरी द्वारा इस क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए)" की परियोजना अथवा स्कीम को 2.55 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत में कोई परिवर्तन किए बिना वित्तीय वर्ष 2014-15 से प्रारंभ होने वाले वर्ष से आगे तीन वर्षों की अवधि अर्थात 2014-15, 2015-16 और 2016-2017 के लिए एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में अधिसूचित करती है ;

[सं. 113/2015/फा. सं. वी -27015/4/2014-एसओ (रा.स.)]

मक्खन लाल मीना, उप सचिव (राष्ट्रीय समिति)